महोबा में एक साल के अंदर 8,000 से ज्यादा बुनकर बेकार हो चुके हैं तथा पिछले चार-पांच सालों में 2,000 से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। यहां पर तमाम विभीषिकाओं के मध्य एक और अपमानजनक स्थिति यह है कि पिछली बार किसानों को मुआवजे के रूप में दस रुपए और बीस रुपए के चेक वितरित किए गए।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि तुरन्त केन्द्र में एक बुंदेलखंड सेल स्थापित किया जाए, जो तमाम कार्यक्रमों की निगरानी करे तथा एक बुंदेलखंड प्राधिकरण की स्थापना करके इस क्षेत्र को पैकेज दिया जाए, जो इस प्राधिकरण के माध्यम से लागू हो। धन्यवाद।

Concern over apathy towards traditional Indian sports

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान भारत के खेलकूद की धीमी प्रगति की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ और खेल पुरस्कारों की घोषणा के लिए सरकार का धन्यवाद करता हूँ। सरकार को सभी खेलों को प्रोत्साहित करना चाहिए, न कि केवल क्रिकेट को बढ़ावा देना चाहिए। यूं भी क्रिकेट तो केवल राष्ट्रमंडल देशों में ही खेला जाता है, जब कि फुटबाल विश्व के 250 देशों में खेला जाता है। वर्ष 1952 के प्रथम एशियाड खेलों में भारत ने ईरान को हराकर एवं 1962 में दक्षिण कोरिया को हराकर एशियन चैम्पियन बना रहा। वर्ष 1948 के विश्व ओलंपिक में भारतीय फुटबाल का चौथा स्थान था, जब कि आज हम विश्व ओलंपिक के लिए क्वालिफाई भी नहीं कर पाते हैं, यह बहुत दुख की बात है। हमारी पुरानी टीमें जैसे, मोहन बगान, मोहम्मद स्पोर्टिंग, मद्रास रेजीमेंटल, ईस्टर्न रेलवे, ईस्ट बंगाल, हैदराबाद पुलिस, आदि के मिले-जुले खिलाड़ी जब विश्व स्तर पर खेलते थे, तो विश्व देखता था। यही हाल हॉकी एवं अन्य खेलों का है। भारत कभी हॉकी का जादूगर था। वर्तमान खेलमंत्री के नेतृत्व में कुछ सुधार तो हुआ है। मगर कछुए की चाल से चलकर सुपरसोनिक युग के साथ कदम नहीं मिलाए जा सकते हैं। वहीं लॉन टेनिस में सायना, सानिया, लिएंडर पेश एवं महेश भूपति ने हमारी उपस्थिति बरकरार रखी है, परंतु अभी तक रामनाथ कृष्णनन के स्थान पर पहुंचना बाकी है।

महोदय, दिल्ली में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की प्रगति भी अत्यंत असंतोषजनक है। यदि यही क्रिकेट का महापर्व होता, तो दिल्ली दुल्हन की तरह सज गई होती और सड़कों पर चीयर्स गर्ल्स नजर आने लगती। केन्द्र सरकार को खेल प्रोत्साहन में हरियाणा सरकार का अनुकरण करना चाहिए। खेल प्रोत्साहन से देश के युवाओं का समग्र विकास होगा, जो सरकार की प्राथमिकता भी है। मेरा यह भी सुझाव है कि प्राइवेट चैनल्स तो खेलों का प्रसारण टी.आर.पी. एवं विज्ञापन के आधार पर करते हैं, परंतु दूरदर्शन को सभी खेलों को महत्व देना चाहिए तथा सभी खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को सम्मान देना चाहिए, इससे भारतीय खेल चमकेंगे। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TARIQ ANWAR): The House stands adjourned till 11 a.m. on Monday, the 3rd August, 2009.

The House, then, adjourned at nine minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 3rd August, 2009.